



SMT. SUSHMA SWARAJ (POSTHUMOUS)

Smt. Sushma Swaraj was a stalwart, visionary leader, deeply rooted in Indian traditions and values. She began her legendary public career as a young student with innovative clarity and unshakeable commitment to the people. The people's response was instant and continuous. Over four decades, Smt. Sushma Swaraj was elected Member of the Legislative Assembly thrice and Member of Parliament seven times. Her work has left an indelible impact on four decades of Indian history.

2. Smt. Sushma Swaraj was born on 14th February, 1952. After obtaining her Law Degree, she practiced as an Advocate before the Hon'ble Supreme Court of India in the year 1973. In 1977, at the young age of 25, she was elected as a Member of the Haryana State Legislative Assembly. Her talent was quickly recognised; she was given the responsibility of eight portfolios as Cabinet Minister. In April 1990, she became a member of Parliament for the first time. In the legislature, her superb oratory filled the House whenever she spoke; and in the corridors of power, the warmth of her smile, the sparkle of her eyes, and the empathy of her spirit obliterated partisan barriers. Her career was built on the bedrock of patriotism, integrity, compassion and an abiding commitment to doing what was right. Compromise did not exist in her dictionary.

3. Smt. Sushma Swaraj's tenure in various offices was punctuated by path-breaking decisions. As the Union Cabinet Minister for Information and Broadcasting and Telecommunications in 1998, she took the landmark decision of declaring film production as an 'industry', thereby making films eligible for bank finance, which revolutionized the sector. Between 2003-2004, as the Union Cabinet Minister of Health & Family Welfare, Smt. Sushma Swaraj took healthcare in India to new heights, by taking the decision to establish six All India Institute of Medical Sciences across the country.

4. Smt. Sushma Swaraj as Minister for External Affairs from 2014 to 2019, spearheaded policy initiatives that expanded India's presence and deepened India's relationship with both traditional friends and with those who had been comparatively indifferent towards us. She opened doors, most notably when she became the first Indian Foreign Minister to address the OIC since its inception. At the heart of her mission was the individual. She is remembered by millions for the several operations which rescued Indians as well as non-Indians in distress, and for the personal leadership during difficult challenges, like instances of Indians being kidnapped by terrorists. She established a personal bond with more millions through her active diplomacy on social media. She was adored and admired by Indians across the globe; she became the most followed Foreign Minister in the digital world, and her term has set a gold standard for managing external affairs. On 19th February 2019, Smt. Sushma Swaraj was awarded the prestigious "Grand Cross of Order of Civil Merit" by the Spanish government, in recognition of India's support for the evacuation of its citizens during the devastating 2015 earthquake in Nepal.

5. Smt. Sushma Swaraj embodied the empowerment of women and went on to be a woman of many firsts. She was the first woman General Secretary of the BJP, the first woman Chief Minister of Delhi, the first woman Union Cabinet Minister of BJP, the first woman Spokesperson of any political party and the first woman Member of Parliament to be awarded the Outstanding Parliamentary Award. Her legacy is multi-dimensional. We shall ever honour her formidable intellect, imagination and benevolence and revere her as a trailblazer of progress. Her humility, humanity and patriotism will forever be enshrined as part of the living history of our Nation.

6. Smt. Sushma Swaraj passed away on 6th August, 2019.





श्रीमती सुषमा स्वराज (मरणोपरान्त)

श्रीमती सुषमा स्वराज एक प्रभावशाली व्यक्तित्व, दूरदर्शी नेता, और भारतीय परंपराओं एवं मूल्यों से गहराई से जुड़ीं हुई थी। उन्होंने अपने सार्वजनिक जीवन की शुरुआत युवा विद्यार्थी के रूप में जनता के प्रति नवीन दृष्टिकोण और अटल प्रतिबद्धता के साथ की। लोगों ने उनके प्रति तुरंत उत्साह दिखाया और यह उत्साह हमेशा बना रहा। चार दशकों के दौरान श्रीमती सुषमा स्वराज तीन बार विधान सभा सदस्य और सात बार संसद सदस्य चुनी गईं। उनके कार्य ने भारतीय इतिहास के चार दशकों पर एक अमिट छाप छोड़ी है।

2. श्रीमती सुषमा स्वराज का जन्म 14 फरवरी, 1952 को हुआ था। कानून की डिग्री प्राप्त करने के बाद, उन्होंने वर्ष 1973 में भारत के माननीय उच्चतम न्यायालय में एक वकील के रूप में वकालत शुरू की। 1977 में, 25 वर्ष की आयु में, वह हरियाणा राज्य विधानसभा की सदस्य चुनी गईं। उनकी प्रतिभा को जल्दी पहचान मिली; उन्हें कैबिनेट मंत्री के रूप में आठ विभागों की जिम्मेदारी सौंपी गई। अप्रैल 1990 में, वह पहली बार संसद सदस्य बनीं। संसद में, जब भी वह बोलती थी, उनके शानदार वाक्–शैली को सुनने के लिए पूरा सदन भर जाता था; और सत्ता के गलियारों में उनकी मधुर मुस्कान, उनकी आँखों की चमक और उनका मिलनसार स्वभाव दलगत भेदभाव मिटा देता था। उनका राजनीतिक जीवन देशभक्ति, निष्ठा, सहृदयता और सच्चाई से ओतप्रोत था। समझौता शब्द उनके शब्दकोश में ही नहीं था।

3. श्रीमती सुषमा स्वराज ने विभिन्न उच्च पदों पर रहते हुए कई ऐतिहासिक निर्णय लिए। 1998 में केंद्रीय सूचना और प्रसारण तथा दूरसंचार मंत्री के रूप में, उन्होंने फिल्म निर्माण को एक 'उद्योग' घोषित करने का महत्वपूर्ण निर्णय लिया। इससे फिल्मों को बैंकों से वित्त मिलने लगा और इस क्षेत्र में एक क्रांति पैदा हो गई। 2003–2004 के बीच, केंद्रीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री के रूप में, श्रीमती सुषमा स्वराज ने देशभर में छह अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान स्थापित करने का फैसला लेकर भारत में स्वास्थ्य सेवा को नए शिखर पर पहुंचा दिया।

4. श्रीमती सुषमा स्वराज ने वर्ष 2014 से 2019 तक विदेश मंत्री के रूप में, ऐसी नीतिगत पहल कीं जिनसे भारत के प्रभुत्व का विस्तार हुआ और हमारे पारंपरिक मित्रों के साथ–साथ उन देशों के साथ भी हमारे संबंध प्रगाढ़ हुए, जो हमसे विमुख थे। किसी भारतीय विदेश मंत्री के रूप में पहली बार ओआईसी को संबोधित करके उन्होंने देशों के साथ संबंधों को बढ़ावा दिया। उनके कार्यों के केंद्र में आम आदमी था। भारतीयों और विदेशियों को संकट में बचाने के कई अभियानों और आतंकवादियों द्वारा भारतीयों के अपहरण जैसी कठिन चुनौतियों के दौरान व्यक्तिगत नेतृत्व के लिए लाखों लोग उन्हें याद करते हैं। उन्होंने सोशल मीडिया पर अपनी सक्रिय कूटनीति के माध्यम से लाखों लोगों के साथ आत्मीय संबंध कायम किया। दुनिया भर में भारतीय उनका सम्मान और सराहना करते थे; वह डिजिटल दुनिया में सबसे ज्यादा फॉलो की जाने वाली विदेश मंत्री बनीं और उनके कार्यकाल ने विदेश मामलों की देखरेख में एक उत्कृष्ट प्रतिमान स्थापित किया है। 2015 में नेपाल में विनाशकारी भूकंप के दौरान स्पेन के नागरिकों को सुरक्षित निकालने में भारत की सहायता के लिए 19 फरवरी 2019 को, श्रीमती सुषमा स्वराज को स्पेनिश सरकार द्वारा प्रतिष्ठित "ग्रैंड क्रॉस ऑफ ऑर्डर ऑफ सिविल मेरिट" से सम्मानित किया गया था।

5. श्रीमती सुषमा स्वराज महिला सशक्तीकरण की प्रतीक थीं और उन्होंने कई ऐसे कार्य किए जो किसी महिला ने पहली बार किए थे। वह भाजपा की पहली महिला महासचिव, दिल्ली की पहली महिला मुख्यमंत्री, भाजपा की पहली महिला केंद्रीय कैबिनेट मंत्री, किसी भी राजनीतिक दल की पहली महिला प्रवक्ता और उत्कृष्ट सांसद पुरस्कार प्राप्त करने वाली संसद की पहली महिला संसद सदस्य थीं। उनकी विरासत बहुआयामी है। हम उनकी प्रखर मेधा, कल्पनाशीलता और परोपकार के लिए सदैव उनका सम्मान करते रहेंगे और प्रगति–पथ की प्रदर्शक के रूप में उनके प्रति श्रद्धा प्रकट करते रहेंगे। उनकी विनम्रता, मानवता और देशभक्ति हमेशा हमारे राष्ट्र के जीवंत इतिहास की अमूल्य धरोहर बनी रहेगी।

6. श्रीमती सुषमा स्वराज का 6 अगस्त, 2019 को देहावसान हो गया।